* एकीकृत पाठ्यक्रम (माध्यमिक स्तर के रूप में विज्ञान)
OR, संयुक्त शास्त्र   * अर्थ * परिभाषा * विशेषताएं * आवश्यकता | महत्व

परिचय :- माध्यमिक स्तर पर छात्रों को विभिन्न विषयों का अध्ययन करना होता है, जो भविष्य के ज्ञान की संरचना का आधार तैयार करती है. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना के आधार पर निम्न माध्यमिक (Lower Secondary) स्तर पर छात्रों के भाषायी ज्ञान सामाजिक विषय के साथ-साथ विज्ञान विषय को भी पढ़ाया जाता है। जहाँ विज्ञान विषय एक संयुक्त ढाँचे के रूप में पढ़ाया जाता है। जिसमें रसायनशास्त्र एवं जीवविज्ञान को अलग करके पढ़ाने के बजाए संयुक्त रूप से पर्यावरण शिक्षा के नाम से पढ़ाया जाता है, साथ ही गणित के सभी भागों को संयुक्त रूप से पढ़ाया जाता है।

माध्यमिक स्तर पर जो पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाता है, उसमें संयुक्त विषयों को चुनकर आवश्यकतानुसार स्थान दिया जाता है, एवं उसकी मात्रा तय कर दी जाती है। ऐसे सभी पाठ्यक्रम जिनमें बहुत सारे विषयों का समावेश हो एकीकृत (fix) पाठ्यक्रम कहलाता है।

* अर्थ एकीकृत पाठ्यक्रम :- एकीकृत पाठ्यक्रम से तात्पर्य एक ऐसा पाठ्यक्रम से है, जिसमें विभिन्न विषय एक दूसरे के साथ इस प्रकार संबंधित हो जहाँ विषयों के साथ होने के बजाए उनमें एकता पाई जाती है।

इस तरह के पाठ्यक्रम में सभी विषयों का ज्ञान एक दूसरे से संबंधित और पूरक के रूप में कार्य करते है। माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्राय: एकीकृत पाठ्यक्रम का प्रयोग किया जाता है. जहाँ विषयों को निश्चित बंधन में संयुक्त किया जाता है. ~~जहाँ विषयों को एक~~ ये सभी विषय ज्ञान, बोध प्रयोग एवं समस्या समाधान में एक दूसरे का सहयोग करते हैं। विशेषकर विज्ञान विषय माध्यमिक स्तर पर तभी पूरा होता है. जब विज्ञान विषय के सभी घटक विषय एक दूसरे के साथ संबंध बनाते हुए पढ़ाएँ जाएँ।

* परिभाषा :- एकीकृत पाठ्यक्रम को विभिन्न शिक्षाशास्त्रीयों मनोवैज्ञानिकों ने अपनी अपनी भाषा में परिभाषित किया है उसमें से कुछ परिभाषाए निम्नलिखित है।

⇒ हेनरसन के अनुसार :- "वह पाठ्यक्रम जिसमें विषयों के बीच की दीवार या रुकावट को समाप्त किया जाता है। एकीकृत पाठ्यक्रम कहलाता है।

[A cussiculum in which areas, broking between broking compound discipline.

P.T.O

Scanned with CamScanner

→ स्वंय अनुसार :- संयुक्त पाठ्यक्रम/एकीकृत पाठ्यक्रम वह पाठ्यक्रम है जिसमें विषयों की शाखाओं के सामान्य लक्ष्य प्राप्ति के लिए संयुक्त रूप से पढ़ाया जाता है।

*** एकीकृत पाठ्यक्रम/संयुक्त पाठ्यक्रम/संयुक्त शास्त्र की विशेषताए :-**

उपरोक्त परिभाषाओं और अर्थ के विश्लेषण के आधार पर हम कुछ विशेषताए पाते है।

विशेष रूप से माध्यमिक स्तर से संयुक्त शिक्षण की कुछ विशेषताएँ निम्न लिखित है।

1. इसके माध्यम से छात्र विभिन्न विषयों के संबंध को जान पाते है।
2. यह पाठ्यक्रम ज्ञान को नवीनता एवं छात्रों को सृजनशील बनाता है।
3. संयुक्त विषय पाठ्यक्रम की उपयोगिता और अनुभव पर आधारित होती है।
4. इस विषय के सभी पक्षों की जानकारी प्राप्त होती है।
5. इस पाठ्यक्रम मे बालक विषय के प्रति रुचि लेने लगता है।
6. यह पाठ्यक्रम शिक्षक को अधिक ज्ञान प्राप्त करने को बाध्य करता है
7. यह शिक्षक में उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ाता है।

*** आवश्यकता/महत्व :-**

1. विषय को पूर्णता प्रदान करने के लिए।
2. विषय को व्यापक करने।
3. विषय को उपयोगी बनाने।
4. नवाचार के लिए।
5. शोध कार्य के लिए।
6. नवीन ज्ञान निर्माण के लिए।
7. जीवन के रहस्य जानने के लिए।
8. ज्ञान के सभी पक्षों को जानने के लिए।
9. तत्व के निर्माण एवं विखण्डन के कार्य को जानने के लिए

Scanned with CamScanner

* **निष्कर्ष:-** हमारे देश भारत में माध्यमिक स्तर की शिक्षा ज्ञान बोध प्रयोगात्मक ही सीमित है, यहाँ विषयों को संयुक्त रूप से पढ़ाया जाता है। विषयों और उसके सभी घटक एक दूसरे के साथ पढ़ाए जाने चाहिए, जिससे बालकों को विषय की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके, तथा विषय का ज्ञान उपयोगी हो सके।

Scanned with CamScanner